भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 3181
गुरुवार, 6 अगस्त, 2026/15 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानपत्तन अवसंरचना का विस्तार

3181. श्रीमती रचना बनर्जीः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने बढ़ते हवाई यातायात को ध्यान में रखते हुए देश के प्रमुख विमानपत्तनों पर विमानपत्तन अवसंरचना और यात्री संचालन क्षमता की पर्याप्तता का कोई आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उन विमानपत्तनों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है जहां वर्तमान में विस्तार और आधुनिकीकरण परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान ऐसी परियोजनाओं के लिए कुल कितनी धनराशि आवंटित की गई और कितनी धनराशि का उपयोग किया गया; और

(घ) सरकार द्वारा इन परियोजनाओं को समय पर पूरा किया जाना सुनिश्चित करने और यात्री सुविधाओं और सुरक्षा मानकों में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): यात्री टर्मिनलों, रनवे, एप्रन, कार्गो सुविधाओं और अन्य एयरसाइड अवसंरचना सहित हवाईअड्डा अवसंरचना को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और अन्य हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा यातायात वृद्धि, परिचालन आवश्यकताओं, एयरलाइन की मांग, वित्तीय व्यवहार्यता और तकनीकी-आर्थिक सरोकारों के आधार पर विकसित किया जाता है। देशभर के हवाईअड्डों पर प्रारम्भ की गयी विस्तार और आधुनिकीकरण परियोजनाओं से कुल यात्री-हैंडलिंग क्षमता 580 मिलियन यात्री प्रतिवर्ष (एमपीपीए) से अधिक तक बढ़ गयी है, जबकि 2025-26 के दौरान यात्री यातायात लगभग 420 मिलियन था।

(ख): एएआई ने देश भर के कई हवाईअड्डों पर नए टर्मिनल भवन, एप्रन, रनवे एंड सेफ्टी एरिया (आरईएसए), रनवे का विस्तार/री-सरफेसिंग, रैपिड एग्जिट टैक्सीवे (आरईटी) और लिंक टैक्सी ट्रैक के निर्माण/सुदृढ़ीकरण सहित विभिन्न उन्नयन और विकास कार्य किए हैं। प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं में आंध्र प्रदेश में कडप्पा, राजमुंदरी और विजयवाड़ा, बिहार में दरभंगा, गुजरात में केशोद, हरियाणा में हिसार, जम्मू और कश्मीर में जम्मू, कर्नाटक में बेलगावी और हुबली, केरल में कालीकट, लद्दाख में लेह, मणिपुर

में इंफाल, राजस्थान में कोटा और उदयपुर, सिक्किम में पाक्योंग, तमिलनाडु में चेन्नई, उत्तर प्रदेश में आगरा और वाराणसी तथा पश्चिम बंगाल में बागडोगरा और कोलकाता शामिल हैं।

(ग) : हवाईअड्डा अवसंरचना के विकास के लिए पूंजीगत व्यय (सीएपीईएक्स) आम तौर पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और निजी हवाईअड्डा प्रचालकों/विकासकर्ताओं द्वारा अपने स्वयं के संसाधनों से किया जाता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान एएआई और निजी हवाईअड्डा प्रचालकों/विकासकर्ताओं द्वारा किया गया पूंजीगत व्यय लगभग 19,260 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 2023-24), 19,317 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 2024-25) और 17,840 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 2025-26) रहा है।

(घ(: हवाईअड्डे के विस्तार और आधुनिकीकरण परियोजनाओं के समय पर कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए, नागर विमानन मंत्रालय और एएआई परियोजना अधिकारियों और निष्पादित एजेंसियों के समन्वय में नियमित परियोजना समीक्षाएं आयोजित करते हैं।

डिजीयात्रा, ई-गेट, इन-लाइन बैगेज स्क्रीनिंग, कॉमन यूज़ टर्मिनल इक्विपमेंट (सीयूटीई)/कॉमन यूज़ सेल्फ-सर्विस (सीयूएसएस) चेक-इन सिस्टम और सुरक्षा चौकियों पर ऑटोमेटिक ट्रे रिट्रीवल सिस्टम (एटीआरएस) जैसी पहलों के माध्यम से यात्रियों का अनुभव बेहतर होता है। इसके अलावा, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) विमानन नियमों और नागर विमानन अपेक्षाओं (सीएआर) के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए नियमित निगरानी, स्पॉट चेक, विनियामक ऑडिट और विशेष ऑडिट के माध्यम से मजबूत सुरक्षा पर्यवेक्षण तंत्र बनाए रखता है।

******